

Handwritten notes: 7/12/21



व्यायालय आजिला कलकत्ता जे अकिला भक्ति
वाँडी चूरे

गणेशी वनात राकलरूप
दावा अड धोषणा
दावा सं. ५३५
प्राप्त वाकत विश किए जेन दावा

श्रीमान्त्री

सेवाने प्रार्थना पत्र निम्नलिखित प्रचुत है

1. यह छि उक्त उक्तानी प्रमाण में पञ्जापन ने लोक अदालत ही भावना हे राजीनामा कर खिदाही दावा चूत रुपी मे प्रार्थना/वादिदा का कोई एक आदिगत नहीं है इसलिए प्रार्थना/वादिदा दावा राजा को खेचका हे विश कएन पाहोवि
2. यह छि दावा राजा को विश कएने में कोई कबरी अडफन भी नहीं है

अह! प्रार्थना पत्र प्रचुत कए ठीक है नि
मप्रशपय पत्र
प्राप्त वाकत सीकल फलानर, उक्त उक्तानी दावा
राजा को विश किए जेने के भाइसा फलाने की
कुथा करे।

गणेशी
प्रार्थना/वादिदा

दिनांक ७.१२.२०२१

गणेशी ४०/० वि. मुखनर
जति उजरे
निक - हाणी देहड़ी
आभनेवी
नरुत वरुवा
निक - दाँसा

